SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with what the hon. Member has mentioned.

SHRI P. R. RAJAN (Kerala): Sir, I associate myself with what the hon. Member has mentioned.

SHRI MATILAL SARKAR (Tripura): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has mentioned.

IIM in Rajasthan

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान): उपसभापति महोदय, बजट भाषण में हुई घोषणा के अनुसार राजस्थान में आई.आई.एम. निश्चित रूप से खोलने के विषय को लेकर, मैं विशेष उल्लेख कर रहा हूं। इस आई.आई.एम. के मुद्दे को लेकर जो राजनैतिक खेल खेला जा रहा है, उससे सारे राजस्थान में चिंता और आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो गई है। माननीय वित्त मंत्री महोदय ने अपने बजट भाषण में 5 भारतीय प्रबंधन संस्थान खोलने की घोषणा की थी, जिनमें से राजस्थान भी एक है। इसके बाद से ही एक प्रतिक्रियात्मक चक्र शुरू हो गया है और समाचार पत्रों के माध्यम से यह चर्चा उछाली गई कि राजस्थान के लिए जिस आई.आई.एम. की घोषणा हुई है, वह गलत हो गई है। यह आई.आई.एम. छत्तीसगढ़ के लिए प्रस्तावित किया गया था। दूसरे सदन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री, माननीया श्रीमती पुरन्देश्वरी जी द्वारा यह कहा गया कि राजस्थान के लिए आई.आई.एम. का कोई प्रस्ताव नहीं था। यह तो टंकण की त्रुटि के कारण हुआ है। एक तो वित्त मंत्री जी की घोषणा के विरुद्ध अन्य मंत्रालय को कुछ कहने का अधिकार नहीं है, दूसरे प्रधान मंत्री जी या वित्त मंत्री जी बजट प्रावधान से अलग होकर भी कोई घोषणा करते है, तो वह राजकीय निर्णय माना जाता है और इसके लिए बजटीय प्रावधान की जो व्यवस्था होती है, वह कर ली जाती है। ऐसी स्थिति में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री द्वारा राजस्थान में आई.आई.एम. स्वीकृत नहीं होने की चर्चा करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने वित्त मंत्री जी के क्षेत्राधिकार का उल्लंघन किया है। दूसरी बात उल्लेखनीय यह है कि इसको टंकण की त्रुटि कैसे मान लिया जाए? राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कहीं भी स्पेलिंग नहीं मिलती है। पांच वर्षों में निश्चित रूप से राजस्थान के साथ घोर पक्षपात किया जा रहा है। चाहे रिफाइनरी लगाने का मामला हो, चाहे राजस्थान में आई.आई.टी. खोलने का मामला हो, चाहे राजस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए संस्थान खोलने का मामला हो अथवा आई.आई.एम का मामला हो, हर मामले में एक विचित्र नकारात्मक रवैया अपनाया हुआ है। मैं आप से आग्रह करना चाहता हूं कि सारा सदन राजस्थान के हितों की चिंता करते हुए, माननीय वित्त मंत्री महोदय पर इस बात का दबाव डाले कि वे अपनी बजट घोषणा के अनुरूप क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार का व्यवधान न होने दें और राजस्थान में आई.आई.एम. निश्चित रूप से आरंभ किया जाए, यही मेरा आपके माध्यम से निवेदन है।

डा. ज्ञान प्रकाश पिलानिया (राजस्थान): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि (राजस्थान): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री भागीरथी माझी (उड़ीसा): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

Bad condition of NH-48 between Bangalore and Mangalore

SHRI M. RAMA JOIS (Karnataka): Sir, I am standing here to bring to the notice of the House the deplorable condition of the NH-48 in the State of Karnataka. As you are aware, NH-48 is a very important National Highway connecting Bangalore and Mangalore. From Bangalore up to

Sakaleshpur, the road is all right. Thereafter the road is extensively damaged and it has been closed for motorists. The South Canara has got four pilgrim centres – Subramanya, Dharmasthala, Udipi and Kollur. Thousands of people visit these places, but they have to take circuitous road either from Mercara or Mysore, which is about fifty miles more than the normal road. Recently it has come to my notice that the Shiradi Ghat Save Struggle Committee has been constituted in which no less a person than Subramanya Swamiji and Dharmadhikari Virendra Heggade have participated. In order to impress upon the public, the Government and the deplorable State of affairs, a noble method was adopted in which Subramanyaji played cricket on the National Highway because the road is not motorable, and that has been widely published. It is reported that the contract is again given to the same contractor who has done the sub-standard work. Public is protesting and people are saying that a lot of corruption and negligence has been involved in this. No action has been taken. Therefore, it is absolutely necessary in the public interest that an enquiry should be held why it has happened. Shiradi Ghat was considered as one of the best routes in the NH-48. So, action has to be taken. I am bringing this urgent matter to the notice of the concerned Department of the Government and demand that immediate steps should be taken not only to enquire into the matter but also to see that the road is restored. Thank you.

Apprehension expressed by naval chief regarding smuggling of nuclear weapon through containers

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): उपसभापति जी, मैं सरकार का ध्यान फिर से एक बार 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में जो घटना घटी, की ओर दिलाना चाहता हूं। मुझे लगता है कि सरकार किसी बड़ी घटना के बाद भी चिंतित नहीं होती और कोई कारगर कदम नहीं उठाती है। अभी हाल ही में नौसेना प्रमुख सुरेश मेहता ने कहा, कहा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोगों को चेताया, आगाह किया कि माल ढोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कंटेनरों का इस्तेमाल भारत विरोध आतंकी संगठन द्वारा परमाणु हथियारों की तस्करी के लिए समुद्री मार्ग से किया जा सकता है। महोदय, यह देश और देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। यह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं कह रहा है, यह नौसेना प्रमुख कह रहे हैं। उस पर वे कहते हैं कि उन्हें इस आशय की सूचना मिली है और उन्होंने सरकार से सुरक्षा मांगी है। उन्होंने साथ में कहा है कि उन्हें यह भी आशंका है कि यदि इस दिशा में कोई पहल नहीं हुई तो देश हित में देश के सामने इस आशय की अनेक आशंकाएं होंगी। सुरक्षा मंत्रालय को इस दिशा में कारगर कदम उठाना चाहिए, क्योंकि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला है। इस संबंध में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार क्या कर रहे हैं, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। अभी मुंबई की घटना आपके सामने है, महोदय, हम जानना चाहते हैं कि हमारी जो 7,517 कि.मी. लंबी तटीय सीमा है, जिससे गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी बहुत जोरों पर जारी है, ये सभी बातें आने के बाद भी यह देश इतने गंभीर मसले पर चिंतित क्यों नहीं होता है, कोई कारगर कदम क्यों नहीं उठाता है, यह आज तक समझ में नहीं आया है। सरकार इसके लिए क्या कर रही है? क्या इस देश पर दुबारा मुंबई की घटना होगी? मुझे लगता है कि वह ताज पर हमला नहीं हुआ था, वह भारत माता के ताज पर हमला हुआ था। हम सभी इन बातों की ओर चिंतित नहीं होते हैं। नौसेना प्रमुख ने निश्चित तौर पर कोई न कोई नोट भेजा होगा, उसके बाद उन्होंने जाहिर सभा में या किसी सेमिनार में कहा है। नौसेना प्रमुख का बार-बार यह कहना देश को ही चिंतित नहीं करता, बल्कि देश के 115 करोड़ लोगों को भी चिंतित